

मौसम
शहर अधिकतम न्यूनतम
रांची 25.0 09.4
डालटनगंज 29.4 09.3
धनबाद 26.6 14.0
तापमान डिग्री सेल्सियस में।

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार



<https://epaper.shubhamsandesh.net>

रांची, शनिवार 15 नवंबर 2025 • मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 11, संवत् 2082 • रांची एवं पटना से प्रकाशित • वर्ष : 3, अंक : 215 • मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12



ज्ञानसंकलन



अनंत
सम्भावनाओं
की ओर

मुख्य अतिथि

श्री संतोष कुमार गंगवार

माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

अध्यक्षता

श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशेष अतिथि

श्री के. राजू

ए.आई.सी.सी. के सी. डब्ल्यू.सी. के स्थायी
आगंत्रित सदस्य एवं झारखण्ड प्रभारी

दिनांक: 15 नवम्बर, 2025 | समय: अपराह्न 02.00 बजे

स्थान: मोरहाबादी मैदान, रांची



दफ्तर करें और झारखण्ड
राज्य के रजत पर्व उत्सव
के सहभागी बनें!



श्री संजय सेठ
माननीय केल्लीव राज्य राज्य अधिकारी

श्री राधा कृष्ण किशोर
माननीय गवर्नर, झारखण्ड सरकार

श्री संजय प्रसाद यादव
माननीय गवर्नर, झारखण्ड सरकार

श्री दीपक प्रकाश
माननीय संसद सदस्य, राज्य सभा

श्रीमती भृत्या माजी
माननीय लोकसभा सदस्य, राज्य सभा

श्री आदित्य प्रसाद साहू
माननीय लोकसभा सदस्य, राज्य सभा

श्री प्रदीप कुमार दर्मा
माननीय संसद सदस्य, राज्य सभा

श्री चन्द्रेश्वर प्रसाद सिंह
माननीय सदस्य, झारखण्ड विधान सभा

श्री संतोष कुमार गंगवार
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार



उलगुलान के महानायक भगवान **बिरसा मुंडा**

की 150वीं जयंती
पर 25 वर्ष का
युवा झारखण्ड धरती आबा
को नमन करता है

जोहर

झारखण्ड के खूटी स्थित उलिहातु की पहाड़ियों और जंगलों में जल्जा एक ऐसा महानायक, जिसने अपने साहस और संघर्ष से ब्रिटिश शासन को चुनौती दी। वे बिरसा मुंडा थे, जिन्हें उनके अनुयायियों ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के रूप में पूजा।

बिरसा मुंडा ने आदिवासियों के अधिकारों के लिए संघर्ष का बिगुल बजाया, उनका उद्देश्य स्पष्ट था। लोगों को उनकी भूमि और अधिकार वापस दिलाना।

बिरसा मुंडा के क्रांतिकारी विचारों से विचलित हो कर ब्रिटिश शासकों ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया। जेल में ही 09 जून 1900 को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा शहीद हो गए।

लोकिन उनके उलगुलान का संदेश था कि बिरसा मुंडा सभेत वीर पुरुषों के आदर्शों पर चल कर लंबे संघर्ष और बलिदान के बाद आंदोलनकारियों ने झारखण्ड अलग राज्य का सपना पूरा किया। आज धरती आबा का युवा झारखण्ड हम सभी के समक्ष है।



श्री संतोष कुमार गंगवार
नानगीय सचिव, झारखण्ड

श्री डेमल्य सोरेन
नानगीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

बिहार चुनाव : महागठबंधन की ये 5 गलतियां पड़ी भारी

भाजपा बड़ी पार्टी बनकर उभरी एनडीए ने ऐतिहासिक बाजी मारी

संवाददाता | पटना

बिहार चुनाव के अब तक के रुद्धानों से साफ हो गया है कि राज्य में एनडीए को ऐतिहासिक जनादेश मिला है, जबकि महागठबंधन हाशिया पर सिमट गया है। तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाने वैदान में उत्तर महागठबंधन ने कई ऐसी रणनीतिक गलतियाँ कीं, जिनकी भरपाई करने में उसे लंबे समय का इंतजार करना पड़ सकता है। जिस वापसी की उम्मीद महागठबंधन को इस चुनाव में थी, वह परी तह टूट गई। ऐसे में यह समझना जरूरी हो जाता है कि आखिर किस स्तर



महागठबंधन की बड़ी गलतियां

1 कांग्रेस का 'वोट चोरी' को मुद्दा बनाना भारी पड़ा कांग्रेस ने बिहार चुनाव में वोट चोरी को बड़ा मुद्दा बनाया। पहले चरण की वोटिंग से ठीक एक दिन पहले राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्�फ्रेंस कर एनडीए पर वोट चोरी का आरोप लगाया। दसरंगा में 'वोट चोरी' के दौरान उनके मंच से प्रधानमंत्री की मारे के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी भी की गई, जिसे भाजपा ने बड़ा मुद्दा बनाते हुए कांग्रेस से माफी की मांग की।

2 गोटर लिस्ट संशोधन पर बेअसर विवाद महागठबंधन ने गोटर लिस्ट में संशोधन (एसआईआर) को भी चुनावी मुद्दा बनाकर बड़ा शोर मचाया, लेकिन मायरा कांट जाने के बाद यह विरोध धीमा पड़ गया। जनता इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं ले पाई। यसा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी एसआईआर को 'महागठबंधन को हराने की साजिश' बताया, लेकिन यह रणनीति का नाम पर एनडीए को प्रश्निकता दी।

3 अवास्तविक और बढ़ा-चढ़ाकर किए गए गाडे एक तरफ नीतीश कुमार की 20 साल पुरुनी योजनाओं की गारंटी थी, वहीं दूसरी ओर तेजस्वी यादव के अव्यावारिक वादे, तेजस्वी ने हर परिवार के एक सदरयों को सरकारी नौकरी दें, जीविता दीरी को 3,000 की जगह 10,000 रुपये देने जैसे कई वादे किए, जिन्हें पूरा करना संभव नहीं था। जनता ने इन गाडों को अविवासनीय माना और रिश्तरात्रि व भरोसे के सामने रखा। तेजस्वी की छावे पर लालू नीतीश कुमार पिछले दो दशकों से राज्य की सत्ता में रिश्तर चेहरा रहे हैं। इस रणनीति ने महागठबंधन को लाभ पहुंचाने के बजाय उकसान ही किया।

4 एनडीए के खिलाफ नकारात्मक अभियान विपक्ष ने पूरे चुनाव अभियान में एनडीए के खिलाफ नकारात्मक कैमेन बताया। प्रधानमंत्री मोदी को 'भ्रष्टाचार का भीष पितामह' तक कहा गया। जनता ने इसे अत्यधिक नकारात्मक राजनीति मानकर पसंद नहीं किया। खासकर तब जब नीतीश कुमार पिछले दो दशकों से राज्य की सत्ता में रिश्तर चेहरा रहे हैं। इस रणनीति ने महागठबंधन को लाभ पहुंचाने के बजाय उकसान ही किया।

5 तेजस्वी को सीएम चेहरा घोषित करना महागठबंधन ने तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया, लेकिन लालू यादव के 'जंगल राज' वाले पुराने दौर को सत्ताधारी दल ने बार-बार जनता के सामने रखा। तेजस्वी की छावे पर लालू का यह पुराना बोझ भारी पड़ गया और जनता ने जाखिम लेने के बजाय एनडीए को सुरक्षित विकल्प माना।

यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिहार विधानसभा चुनाव में मिली प्रचंड जीत पर बधाई

निवेदक

शारदा सिंह
अध्यक्ष, जिला परिषद धनबाद

यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिहार विधानसभा चुनाव में मिली प्रचंड जीत पर बधाई

निवेदक

द्योजा सिंह
विधायक, धनबाद

ज्ञारखण्ड के 25 वर्ष 7 वर्षों की सफल साझेदारी अनंत संभावनाओं की ओर

ज्ञारखण्ड की तरक्की और खुशहाली के

25 सुनहरे वर्षों का जश्न

ज्ञारखण्ड के 25 वर्षों की प्रगति और संघर्षीतता का जश्न मनाते हुए, ईएसएल स्टील लिमिटेड, एक एकीकृत इस्पात संयंत्र और राज्य के सरबोर वडे निजी निवेदियों में से एक, अपने परिवर्तन की यात्रा पर गर्व करता है।

वैदाता समूह का हिस्सा बनने के बाद से, ईएसएल ने सिंक इस्पात ही नहीं गढ़ा है, बल्कि ज्ञारखण्ड को सशक्त बनाया है। ईएसएल लिफ्ट स्क्रूल, आर्डरी अकादमी, प्रोजेक्ट शिक्षा और प्रोजेक्ट जीविका जैसी पहलों के माध्यम से, ईएसएल राज्य के युवाओं में कौशल, ज्ञानीविका और सपनों को आकार दे रहा है।

U-XEGA **U-DUCPIPE** **U-WIRRO**

#BULANDJHARKHAND